जयपुर लाइव

एसएमएस अस्पताल: गोरखपुर की घटना के बाद अस्पताल प्रशासन अलर्ट

महानगर संवाददाता

जयपुर। गोरखपुर में ऑक्सीजन सिलेंडर खत्म होने से 30 बच्चों की मौत के बाद जयपुर में एसएमएस अस्पताल प्रशासन भी ऑक्सीजन के सिलेंडरों के मामले में अलर्ट हो गया है। शनिवार को एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. डी.एस. मीणा ने एसएमएस अस्पताल स्थित ऑक्सीजन प्लांट की जानकारी ली और ऑक्सीजन प्लांट के विभाग का भी जायजा लिया।

अधीक्षक डॉ. डीएस मीणा ने ऑक्सीजन प्लांट की ली जानकारी, दिए सावधानी बरतने के निर्देश

ऑक्सीजन प्लांट के डायरेक्टर पी.एस. लांबा से ऑक्सीजन सिलेंडरों की व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी भी ली। इस मौके पर एसएमएस अस्पताल अधीक्षक डॉ. डी. एस. मीणा ने ऑक्सीजन प्लांट में सावधानी बरतने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत में मरीजों को ऑक्सीजन की कमी नहीं होनी चाहिए। डॉ. मीणा ने आक्सीजन सिलेंडर के अतिरिक्त सिलेंडर मांगने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

गौरतलब है कि गोरखपुर में ऑक्सीजन सिलेंडर खत्म होने के कारण बीआरडी मेडिकल कालेज में शुक्रवार को 30 बच्चों की मौत हो गई थी। इनमें अधिकांश नवजात थे। संबंधित कंपनी ने 69 लाख रुपए का भुगतान नहीं होने के कारण ऑक्सीजन सिलेंडर की सप्लाई रोक दी थी। ऐसे में मासूमों की मौत हो गई और इस मामले में मेडिकल कॉलेज की भारी लापरवाही सामने आई।

पुख्ता व्यवस्था का दावा

ऑक्सीजन प्लांट का जायजा लेने और अस्पताल के अधिकारियों को सावधानी के निर्देश देने के बाद एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. डी.एस. मीणा ने बताया कि एसएमएस अस्पताल गोरखपुर में हुई घटना को लेकर सतर्क हो गया है। शनिवार को ऑक्सीजन प्लांट से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को ऑक्सीजन सिलेंडर के अतिरिक्त स्टॉक रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी निर्देश दिए हैं कि एसएमएस अस्पताल में वर्तमान में औसत मरीज संख्या के आधार पर एक सप्ताह तक अतिरिक्त ऑक्सीजन सिलेंडर स्टॉक में रखे जाएं ताकि ऑक्सीजन सिलेंडर खत्म हो जाएं तो भी एक हफ्ते तक मरीजों और परिजनों को परेशान नहीं होना पड़े।

मेडिकल कॉलेज में यूरोलॉजी एल्यूमनी मीट

शनिवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज के यूरोलॉजी विभाग में एल्यूमनी मीट का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर से आए यूरोलॉजिस्टों ने शिरकत की । इस मौके पर जानकारी दी गई कि राज्य की प्रथम लेजर मशीन इसी विभाग में लगाई गई है। जहां पथरी रोगियों के ऑपरेशन किए जा रहे हैं।

अंगदान के लिए जन जागरूकता की जरूरत: डॉ. सदासुखी

महानगर संवाददाता

जयपुर। अंगदान की परम्परा हर युग में रही है। महर्षि दधिचि इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। राजस्थान में महात्मा गांधी अस्पताल में सन् 2015 से यह परम्परा आरंभ हुई। इसके लिए जन जागरूकता की जरूरत है। ब्लड शुगर, हायपर टेंशन के कारण किडनी फैलियर के रोगी अधिक तादाद में उपचार के लिए आ रहे हैं। जबकि जन

एमजी अस्पताल में मनाया विश्व अंगदान दिवस

जागरूकता के अभाव में किडनी प्रत्यारोपण बहुत कम लोगों के हो रहा है। यह उद्गार शहर के सीतापुरा स्थित महात्मा गांधी अस्पताल के किडनी प्रत्यारोपण विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. टी.सी. सदासुखी ने व्यक्त किए। डॉ. सदासुखी विश्व आर्गन दिवस के अवसर पर शनिवार को जनजागरूकता कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें इस अभियान में मीडिया का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसके लिए कड़ी से कड़ी जोड़ने की जरूरत है। इस अवसर पर महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जी.एन. सक्सैना ने कहा आर्गन प्रत्यारोपण की आवश्यकता हजारों लोगों को है और डोनेशन के लिए कुछ ही लोग आ रहे हैं। बीच की खाई बढ़ती जा रही है। इस रेशे को आर्गन डोनेशन का संकल्प लेने तथा जनजागरूकता के माध्यम से कम किया जा सकता है। नेफ्रोलोजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज राजवंशी ने कहा अंग प्रत्यारोपण के बाद व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। डोनर एवं रेसीपियन्ट दोनों ही स्वस्थ रहते हैं। इस अवसर पर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आर.सी. गुप्ता ने कहा आर्गन डोनेशन कानूनी प्रक्रिया के तहत ही होता है। चिकित्सकों की टीम जब किसी व्यक्ति को ब्रेन डेड घोषित करती और उनके परिजनों की सहमति होती है उसके बाद ही कैडेवर आर्गन डोनेशन संभव होता है। नेफ्रोलोजिस्ट डॉ. सूरज गोदारा ने कहा देश में प्रति वर्ष 20 लाख लोग किडनी फैलियर हो रहे हैं और उन्हें डायलिसिस की जरूरत होती है। 2 से 3 लाख लोगों को किडनी ट्रांसप्लान्ट की जरूरत होती है जबकि किडनी प्रत्यारोपण मात्र 6 से 7 हजार लोगों का ही हो पाता है।

मानसून की बेरूखी ने किया बेहाल

महानगर संवाददाता

जयपुर। प्रदेश में लगातार मानसून की बेरूखी बनी हुई है और मौसम विभाग के पुर्वानुमान गलत साबित हो रहे हैं। गुलाबी नगर में अनुकूल परिस्थितियां नहीं बनने पर और बादलों

बादलों की आवाजाही पर थमा बारिश का दौर

की आवाजाही के कारण झमाझम बारिश का इंतजार है। बारिश का थमा दौर लोगों की मायूसी बढ़ा रहा है। मानसून देश के उत्तर- पूर्वी राज्यों में सक्रिय हो रहा है। लेकिन प्रदेश में मौसमी तंत्र सुस्त पड़ा हुआ है। ऐसे में प्रदेश में झमाझम बारिश के आसार नहीं बन पा रहे हैं। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अगले सप्ताह तक प्रदेश में मानसूनी हलचल फिर से शुरू होगी।

गुलाबीनगर में शनिवार को मौसम सुबह से ही शुष्क रहा। दिन में सूर्यदेवता के दर्शन भी हुए और कुछ समय बाद आसमान में फिर बादल छाए रहे। शहर में बादलों की आवाजाही बनी रही लेकिन बिन बरसे ही मेघों ने शहर से दूरी बना ली। ऐसे में दिन और रात का तापमान स्थिर रहा। लेकिन अभी भी शहरवासियों को झमाझम बारिश का इंतजार है।

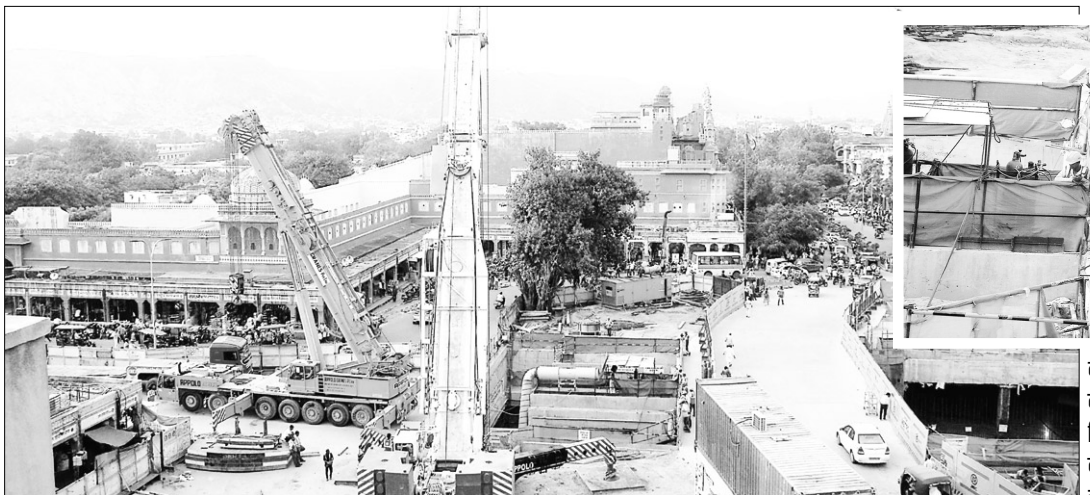

बड़ी चौपड़ पर मेट्रो के काम के लिए इन दिनों टीबीएम मशीन का उपयोग किया जा रहा है।

-फोटो : महानगर

कॉलेज में बिजली नहीं आने से परेशान छात्रों ने किया प्रदर्शन

महानगर संवाददाता

जयपुर। शास्त्रीनगर स्थित राजस्थान यूनिवर्सिटी हेल्थ साइंस डेंटल कॉलेज में पिछले कई दिनों से बिजली नहीं आ

आरयूएचएस डेंटल कॉलेज में चिकित्सक, कर्मचारी स्टाफ, हॉस्टल छात्र सभी परेशान

रही है। ऐसे में डेंटल कॉलेज में चिकित्सक, स्टाफ और नर्सिंग कर्मचारी सहित हॉस्टल में रहने वाले छात्र परेशान हैं।

शनिवार को डेंटल कॉलेज के छात्रों ने बिजली नहीं होने की समस्या को लेकर डेंटल कॉलेज के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर डेंटल कॉलेज के छात्रों ने डेंटल के कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप जैन को कालेज में बिजली नहीं आने की शिकायत भी सौंपी। छात्रों की शिकायत पर डेंटल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप जैन ने तुरंत डेंटल कॉलेज की व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मेडिकल कॉलेज के छात्रों के अनुसार बिजली नहीं आने के कारण उनकी पढ़ाई से लेकर दैनिक दिनचर्या के काम भी ठीक से नहीं निपट रहे हैं। ऐसे में डेंटल कालेज के छात्र परेशान हैं। छात्रों ने डेंटल कालेज की व्यवस्थाएं तुरंत दुरूस्त करने की मांग मेडिकल डेंटल प्रशासन से की है।

सिंगल फेस से चल रहा काम

अस्पताल सूत्रों की मानें तो डेंटल कॉलेज में सिर्फ सिंगल फेस कनेक्शन से ही अस्पताल के सारे काम निपटाए जा रहे हैं। जो कि इतने बड़े डेंटल कॉलेज के लिए पर्याप्त नहीं है। डेंटल कॉलेज में आने वाले मरीजों का इलाज भी बाधित हो रहा है। ऐसे में वे परेशान हो रहे हैं। डेंटल कालेज के छात्रों का कहना है कि अस्पताल प्रशासन से कई बार इसकी शिकायत करने के बाद भी इस दिशा में कोई भी ठोस प्रयास नहीं किए गए हैं। ऐसे में डेंटल कॉलेज के छात्रों को प्रदर्शन के लिए मजबूर होना पड़ा। डेंटल कॉलेज के छात्रों का कहना है यदि जल्दी बिजली व्यवस्था को दुरूस्त नहीं किया जाता है तो उन्हें उग्र आंदोलन को बाध्य होना पड़ेगा जिसकी जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन की होगी। इस मामले में डेंटल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने जल्दी ही बिजली व्यवस्था को ठीक करवाने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश में बिगड़ी कानून व्यवस्था से आमजन में असुरक्षा की भावना: गहलोत

महानगर संवाददाता

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस महासचिव अशोक गहलोत ने कहा कि प्रदेश में बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था की स्थिति से आमजन में असुरक्षा की भावना व्याप्त हो गई है। राजधानी जयपुर में आए दिन होने वाली लूट, डकैती, अपहरण, दुष्कर्म की घटनाएं जयपुर पुलिस आयुक्तालय की नाकामी को दर्शाती हैं। गहलोत ने कहा कि जयपुर में एक निजी कम्पनी में कार्यरत युवती का हॉस्टल से अपहरण करने की घटना शर्मसार करने वाली है। अपहरण, मारपीट और छेड़छाड़ के इस प्रकरण में अपहृत युवती को चलती कार से कूदकर अपनी आबरू बचानी पड़ी। पुलिस प्रशासन इस घटना से जुड़े अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करें। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आदतन अपराधियों के कारनामों के बावजूद भी वे पुलिस की पकड़ से बाहर रहते हैं, जो चिन्ता का विषय है। उन्होंने कहा कि सजायाफ्ता अपराधियों द्वारा संगठित गिरोह के तौर जेल से आपराधिक गतिविधियां सरेआम संचालित की जा रही हैं और लोगों को डरा-धमकाकर चौथ वसूली की जा रही है।

रेलवे में स्वच्छता पखवाड़ा 16 से 31 तक

महानगर संवाददाता

जयपुर। रेलवे यात्रियों को सफर के दौरान तथा रेलवे परिसर में स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए स्वच्छ रेल-स्वच्छ भारत अभियान पर कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत-हरित भारत के लक्ष्य की पूर्ति की दिशा में उत्तर पश्चिम रेलवे अपना योगदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसके लिए उत्तर पश्चिम रेलवे आगामी 16 से 31 अगस्त तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित कर रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी तरुण जैन के अनुसार स्वच्छता के उद्देश्य की प्राप्ति एवं स्वच्छता पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा प्रत्येक दिवस के लिए एक अलग विषय निश्चित किया गया है।